To
The students,
Faculty members,
Administrative Officers & staff members and
Everyone else who form the indispensable units of the community in Visva-Bharati

Having assumed the officiating responsibility of the Upacharya as an interim feature between two regular appointments to that chair, this address is perhaps a little delayed, but I should not delay this any further. It should have been wonderful if I could have met and addressed all of you in person, but before I can make that wish a reality, here is a brief and humble note to all.

The chair to which the Ministry of Education has assigned me following that which is given as provision in the Acts and Statutes of this university, is one of immense responsibility. I am humbled by the fact that the appointing authorities considered me capable and eligible for the same.

To my students, I remain a teacher; for my colleagues, I remain a colleague, for everyone in this university I remain a co-worker over and above my responsibilities of the chair. I look forward to all of you extending me your helping hand in times of need and holding hands together so that as a collective we can stand strong.

Above all else, ours is an academic institution, and teaching-learning is its prime focus. I would like to hold on to the conviction that as a university it always has, and will, strive to move forward in a direction that is positive and productive. In this connection, allow me to put on record here that the Honourable Minister of Education had convened an online meeting and addressed all Vice-Chancellors in Central Universities on the 23rd of November 2023, to emphasize on "Best Practices" in an academic institution. As soon as a copy of the proceeding is made available to us, it will be conducive to share with you a more detailed update on how we can actualize that which is our responsibility, and that which is expected of an institution like ours.

I once again reiterate that the responsibility that I have been assigned and the role that I am expected to perform can achieve a meaningful direction only if all of you extend a hand as a collective, irrespective of whatever individual differences we may have, and continue to maintain our haloed institution to be above the individual.

With warm regards to all and love to my students,

Sanjoy Mallik

Sanjoy Mallik

Santiniketan
30th November 2023

সকল ছাত্র,
বিশ্ববিদ্যালয়ের সকল শিক্ষক,
প্রশাসনিক আধিকারিক ও কর্মচারীরা এবং
অন্য সকলে যাঁরা বিশ্বভারতীর উজ্জ্বল সমষ্টির অপরিহার্য অংশ,

মাত্র কয়েক দিন আগে, উপাচার্য পদে দুটি নিয়মিত নিয়োগের মধ্যবর্তী একজন অন্তর্বর্তী ভারপ্রাপ্তের দায়িত্ব গ্রহণে সত্ত্বেও, এই সম্বোধন সম্ভবতঃ কিঞ্চিত বিলম্বিত যদিও তা অনিচ্ছাকৃত; আরও বিলম্ব অনুচিত তাই আজ এই বার্তা। সকলের সাথে ব্যক্তিগতভাবে দেখা করে সম্বোধন করতে পারলে অবশ্যই উত্তম হত, তবে যতক্ষণ না সেই ইচ্ছাকে বাস্তব করতে পারছি, আপনাদের সবার উদ্দেশ্যে আমার নিম্নলিখিত সংক্ষিপ্ত এবং বিনীত সম্বোধন গ্রহণ করতে প্রার্থনা করি।

বিশ্ববিদ্যালয়ের লিপিবদ্ধ বিধান অনুসরণ করে শিক্ষা মন্ত্রণালয় আমার উপর যে দায়িত্ব অর্পণ করেছেন তার ভর বিশাল। আমি নিয়োগকারী কর্তৃপক্ষের কাছে কৃতজ্ঞ যে আমাকে এর জন্য তাঁরা যোগ্য বিবেচনা করেছেন।

তৎ সত্ত্বেও, আমার ছাত্রদের কাছে আমি একজন শিক্ষক এবং এই বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রত্যেকের কাছে আমি আমার দায়িত্বের ঊর্ধ্বে প্রথমতঃ একজন সহকর্মী, এটা বিশ্বাস করি। আমি আশা রাখি যে আপনারা সবাই আপনাদের হাত বাড়িয়ে দেবেন এবং একসাথে একটি সমষ্টিগত শক্তি হিসাবে বিরাজমান থাকবেন।

প্রথমত, বিশ্বভারতী একটি শিক্ষা প্রতিষ্ঠান, এবং শিক্ষা দান-গ্রহণ এর প্রধান কেন্দ্রবিন্দু। আমি দৃঢ় বিশ্বাস রাখতে চাই যে একটি বিশ্ববিদ্যালয় হিসাবে এটি সর্বদা একটি ইতিবাচক এবং কার্যক্ষম দিশায় অগ্রসর হওয়ার চেষ্টা অব্যাহত রাখবে। এই প্রসঙ্গে, আপনাদের অনুমতি সাপেক্ষে এখানে উল্লেখ করে রাখতে চাই, যে মাননীয় শিক্ষামন্ত্রী গত ২৩শে নভেম্বর ২০২৩ তারিখে একটি শিক্ষা প্রতিষ্ঠানে "সর্বোত্তম অনুশীলন" এর উপর জোর দেওয়ার জন্য একটি অনলাইন সভায় কেন্দ্রীয় বিশ্ববিদ্যালয়ের সমস্ত উপাচার্যদের সম্বোধন করেছিলেন। সে সভার কার্যধারার একটি অনুলিপি আমাদের কাছে উপলব্ধ হওয়া মাত্র, আমাদের মতো একটি প্রতিষ্ঠানের কাছে যা আশা রাখা হয় তা আমরা কীভাবে অর্জন করতে পারি সে সম্পর্কে আপনার আরও বিশদে জানতে সক্ষম হবো।

পুনরুক্তি মার্জনীয়, আমার উপর যে দায়িত্ব অর্পিত হয়েছে এবং আমাকে যে ভূমিকা পালন করতে হবে, তা কেবল তখনই অর্থপূর্ণ দিক-নির্দেশ অর্জন করতে পারবে, যখন আপনারা সকলে, সকল স্বতন্ত্র-পার্থক্য সত্ত্বেও, সম্মিলিতভাবে হাত মিলিয়ে এই শিক্ষাপ্রতিষ্ঠানটির ব্যতিক্রমী স্বতন্ত্রকে ধরে রাখবেন।

সকলের প্রতি উষ্ণ শ্রদ্ধা এবং আমাদের শিক্ষার্থীদের প্রতি ভালবাসা,

সঞ্জয় মল্লিক

সঞ্জয় মল্লিক

শান্তিনিকেতন
৩০ নভেম্বর ২০২৩

प्रति,
विद्यार्थी,
विश्वविद्यालय के शिक्षक,
प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी सदस्य और
बाकी सभी जो विश्वभारती उद्योगी समुदाय का अपरिहार्य भाग हैं

कुछ ही दिन पहले, उपाचार्य पद पर दो नियमित नियुक्तियों के बीच एक कार्यवाहक जिम्मेदारी अंतरिम विशेषता के रूप में संभालने का दायित्व मिलने के बाद, यह संबोधन शायद थोड़ा विलंबित है, लेकिन मुझे इसमें और विलंब नहीं करनी चाहिए। यह निश्चय उत्तम होता अगर मैं आप सभी से व्यक्तिगत रूप से मिल पाता और संबोधित कर पाता, लेकिन इससे पहले कि मैं उस आकांक्षा को वास्तविकता में ला सकूं, यहां तब तक के लिये सभी को मेरा संक्षिप्त और विनम्र वार्ता के रूप में है।

इस विश्वविद्यालय के अधिनियमों और विधियों में दिए गए प्रावधानों का पालन करते हुए शिक्षा मंत्रालय ने मुझे जिस जिम्मेदारी सौंपी है, वह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मैं इस बात से कृतज्ञ हूं कि नियुक्ति प्राधिकारियों ने मुझे इसके लिए सक्षम और योग्य माना।

अपने विद्यार्थियों के लिए, मैं एक शिक्षक ही बना रहता हूँ; अपने सहकर्मियों के लिए, मैं एक सहकर्मी, और इस विश्वविद्यालय में सभी के लिए मैं अपनी जिम्मेदारियों से ऊपर एक सहकर्मी। मैं आशा करता हूं कि आप सभी जरूरत के समय मेरी मदद के लिए हाथ बढ़ाएंगे और एक साथ हाथ मिलाएंगे ताकि एक सामूहिक रूप में हम मजबूती से खड़े रह सकें।

सबसे पहले, विश्वभारती एक शैक्षणिक संस्थान है, और शिक्षण-अधिगम इसका मुख्य केंद्रबिंदु है। मैं इस दृढ़ विश्वास पर कायम रहना चाहूंगा कि एक विश्वविद्यालय के रूप में यह हमेशा सकारात्मक और उत्पादक दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास करता रहेगा। इस संबंध में, मुझे यहां बताने की अनुमति दें कि माननीय शिक्षा मंत्री ने एक शैक्षणिक संस्थान में "सर्वोत्तम प्रथाओं" पर जोर देने के लिए २३ नवंबर २०२३ को एक ऑनलाइन बैठक बुलाई थी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के सभी उपाचार्यों को संबोधित किया था। जैसे ही कार्यवाही की एक प्रति हमें उपलब्ध कराई जाएगी, आपके साथ इस बारे में अधिक विस्तृत अद्यतन साझा करना अनुकूल होगा कि हमारे जैसे संस्थान से जो अपेक्षित है, हम उसे कैसे साकार कर सकते हैं।

मैं एक बार फिर दोहराता हूं कि जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी गई है और जिस भूमिका को निभाने की मुझसे अपेक्षा की जाती है, वह तभी सार्थक दिशा प्राप्त कर सकती है, जब आप सभी व्यक्तिगत मतभेदों के बावजूद, सामूहिक रूप से हाथ बढ़ाएंगे और इस शिक्षा प्रतिष्ठान को व्यक्ति से ऊपर होना कायम रखेंगे।

सभी को हार्दिक आदर और अपने विद्यार्थियों को प्यार सहित,

संजय मल्लिक

संजय मल्लिक

शांतिनिकेतन
३० नवंबर २०२३